

सिद्धार्थ राँय कपूर ने रिलीज़ हुई एनथोलॉजी 'स्टोरीज़ ऑन द नेक्स्ट पेज' की कुछ यूं की तारीफ़



06 मई को डिज़्नी+हॉटस्टार पर रिलीज़ हुई माइक्रो एनथोलॉजी फ़िल्म 'द स्टोरीज़ ऑन द नेक्स्ट पेज' की इन दिनों ख़ूब प्रशंसा हो रही है। इस फ़िल्म में आत्मीय रिश्तों के विभिन्न पहलुओं को बड़े ही संजीदा अंदाज़ में पेश किया गया है। अभिषेक बैनर्जी, रेणुका शहाणे, नमित दास, राजेश्वरी सचदेव, दितिप्रिया राँय, भूपेंद्र जाडावत, सैयस रज़ा और विभा आनंद जैसे कलाकारों के उम्दा अभिनय की भी काफ़ी सराहना हो रही है।

इस फ़िल्म का निर्माण प्रमोद फ़िल्म्स के प्रतीक चक्रवर्ती और डीप फ़िल्म्स के मैनक सेन ने साझा तौर पर किया है। प्रदीप सरकार के साथ विज्ञापन फ़िल्मों में बतौर सहायक काम कर चुकी बृन्दा मित्रा ने इस एनथोलॉजी को निर्देशित किया है। उल्लेखनीय है कि बृन्दा ने सिद्धार्थ राँय कपूर के साथ भी काम किया है।

इस फ़िल्म को देखने के बाद सिद्धार्थ राँय कपूर ने इसकी प्रशंसा करते हुए कहा, "बृन्दा ने एक बेहद संजीदा और दिल की गहराइयों को छू लेनेवाली फ़िल्म बनाई है जिसमें स्वीकार्यता, किसी को माफ़ कर देने, खोया हुआ आत्मसम्मान वापस पाने और ज़िंदगी में आगे बढ़ जाने जैसे भावों को बड़े ही दिलचस्प तरीके से पेश किया गया है। मुझे पूरा यकीन है कि एक स्टोरीटेलर के तौर पर बृन्दा अपने करियर को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगी।"

1999 में अपने पिता संदीप सेन द्वारा स्थापित प्रोडक्शन हाउस डीप फ़िल्म्स को इस एनथोलॉजी के निर्माण के ज़रिए फिर से स्थापित करनेवाले मैनक सेन कहते हैं, "इंडस्ट्री के श्रेष्ठ लोगों द्वारा मिल रही वाहवाही से हम बेहद खुश हैं और हमारे लिये यह बहुत बड़ी बात है। सिद्धार्थ राँय कपूर की ओर से मिली प्रशंसा मेरे दिल के बहुत करीब है जिससे इस फ़िल्म को प्रोड्यूस करने के फ़ैसले को बल मिलता है। मुझे खुशी है उन्हें यह फ़िल्म बहुत पसंद आई। उनकी तारीफ़ भरी बातों ने बढ़िया और अलग तरह के कंटेन्ट के प्रति हमारे भरोसे और बढ़ा दिया है।"

मैनक सेन आगे कहते हैं, "हमारी फ़िल्म को जितना अच्छा प्रतिसाद मिला है, वो हमारी बेहतरीन कास्ट और क़ू के बग़ैर संभव ही नहीं था। हरेक कलाकर ने अपने परफॉर्मेंस से अपने-अपने किरदार को एक नई ऊंचाई प्रदान करने की कोशिश की है। एक बेहद छोटा क़ू होने के बावजूद सभी ने दिलो-जान से काम किया और फ़िल्म को एक बेहतरीन फ़िल्म बनाने में अपना पूरा योगदान दिया। बृन्दा के नेतृत्व और समझदारी से लिये गये फ़ैसलों के चलते हमने फ़िल्म को ठीक वैसा बनाने में कामयाबी हासिल की, जैसा कि हमने सोचा था। रचनात्मक ढंग से कहानी कहना और ज़मीन से जुड़ी कहानियों को वास्तविक रूप में

पेश कर पाना हमारी सबसे बड़ी जीत है.”

इस फ़िल्म की सह-लेखिका और सेंजुती महतो के साथ फ़िल्म का सह-निर्देशन करनेवाली बृन्दा कहती हैं, “मैं शुक्रगुज़ार हूँ कि मुखे सिड के साथ काम करने का मौका मिला. कंटेन्ट के प्रति उनका नज़रिया, विचारों में साफ़गोई और चीज़ों से संबंधित उनके ज्ञान की तुलना नहीं की जा सकती है. सिड कू से ताल्लुक नहीं रखनेवाले ऐसे पहले शख्स थे जिन्होंने यह फ़िल्म देखी थी और मुझे इस बात पर यकीन करने में थोड़ा वक्त लगा कि उन्हें यह फ़िल्म इस क़दर पसंद आई है. इसके बाद मैं इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हो गयी थी कि मैं यह फ़िल्म अब पूरी दुनिया के सामने पेश कर सकती हूँ.”

वे आगे कहती हैं, “प्रतीक, मैनक और मैंने मिलकर पहले यह निर्णय लिया था कि हम इस फ़िल्म को बहुत ही छोटे स्तर पर बनाएंगे. लेकिन जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते गये, यह प्रोजेक्ट दिन-ब-दिन बड़ा होता गया और स्टोरी के लिहाज़ से बड़े-बड़े कलाकार इससे जुड़ते चले गये. प्रोड्यूसर्स होने के नाते प्रतीक और मैनक ने पूरा सहयोग दिया. मेरे पूरे कू ने बड़ी मेहनत की और पूरी लगन के साथ इसे एक बेहतरीन फ़िल्म बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी. मेरे लिए यह किसी ड्रीम डेब्यू से कम नहीं है. पहली बार मैं ही इतने बढ़िया लोगो के साथ काम करने का मौका मिलना किसी सपने के पूरे हो जाने जैसा है. मुझे उम्मीद है कि फ़िल्म के प्रति हमारी सच्चाई और ईमानदारी दर्शकों को भी नज़र आएगी और वे इसे भरपूर प्यार देंगे.”

प्रमोद फ़िल्म्स ने इस साल अपनी स्थापना के 60 साल पूरे कर लिये हैं. प्रमोद फ़िल्म्स के प्रमुख प्रतीक चक्रवर्ती ने फ़िल्ममेकर की तारीफ़ करते हुए कहा, “मैं बृन्दा को एक बेहतरीन प्रमुख एडी के तौर पर जानता हूँ जो बहुत ही सक्षम हैं और अपने काम को बहुत ही उम्दा तरीके अंजाम देती हैं. बाद में हमने एक प्रोजेक्ट के लिए साथ में काम भी किया था जिससे वे एक एसोसिएट डायरेक्टर के तौर पर जुड़ी थीं. उन्होंने मेरी कुछ अवॉर्ड विनिंग फ़िल्में देख रखी थीं, जो उन्हें काफ़ी पसंद आई थीं. उससे संबंधित चर्चा के दौरान बृन्दा ने एक एनथोलॉजी पर काम करने का ज़िक्र किया था जिसे उनके दोस्त मैनक प्रोड्यूस कर रहे थे. उन्होंने उसे को मुझे भी नरेट किया था. वो सभी कहानियां मेरे दिल को छू गयी थीं. ऐसे में मैंने फ़ौरन उनसे पूछा कि क्या मैं भी इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकता हूँ? बाकी आप सभी के सामने है.”

प्रतीक चक्रवर्ती आगे कहते हैं, “जिस बड़े स्तर पर इस एनथोलॉजी को बनाया गया है और जितने बड़े स्तर पर इससे मंजे हुए कलाकार जुड़े हुए हैं, वो हमारी उम्मीदों से कहीं ज्यादा था. हम सबको इस परियोजना से जुड़ने को लेकर बेहद गर्व है. हमें उम्मीद है कि दर्शक भी इसे खूब पसंद करेंगे और रिलीज़ के बाद से जितने बड़े स्तर पर इसे प्यार दे रहे हैं, वो आगे भी जारी रखेंगे.”